भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2760

जिसका उत्तर 11 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है

कोयले की मांग और आयात

2760. श्री वीरेन्द्र सिंहः

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में कोयले का उत्पादन उसकी मांग के अनुपात में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) कोयले की कमी को पूरा करने के लिए कितनी मात्रा में इसका आयात किया जा रहा है;

(ग) कोयले का आयात करने वाली कंपनियों की सूची का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या देश में कोयला भंडार की कमी है या सरकार कोयला खनन में असमर्थ है और यदि हां, तो कोयला की उत्पादन की प्रति टन लागत सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : देश में कोयले की कोई कमी नहीं है। देश में कोयले की अधिकांश आवश्यकता स्वदेशी कोयला उत्पादन के माध्यम से पूरी की जाती है। सरकार का फोकस कोयले के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने तथा अनावश्यक कोयले के आयात को समाप्त करने पर है। वर्ष 2022-2023 में 893.19 मि.ट. की तुलना में अखिल भारतीय घरेलू कोयला उत्पादन लगभग 11.71% की वृद्धि के साथ वर्ष 2023-2024 में 997.83 मिलियन टन (मि.ट.) रहा।

वित्त वर्ष 2022-23 में 877.37 मि.ट. की तुलना में कोयले की आपूर्ति 10.9% की वृद्धि दर्शाते हुए वित्त वर्ष 2023-24 में 973.00 मि.ट. रही। इसी वर्ष के दौरान, वित्त वर्ष 2022-23 में 785.40 मि.ट. की तुलना में विद्युत क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 9.4% की वृद्धि दर्शाते हुए 859.34 मि.ट.

रही। दिनांक 30.11.2024 की स्थिति के अनुसार विद्युत संयंत्रों में उपलब्ध कोयला स्टॉक लगभग 36.58 मि.ट. है, जो लगभग 13.43 दिनों के लिए पर्याप्त है।

(ख) : पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में आयातित कोयले का ब्यौरा नीचे दिया गया है -

(मात्रा मिलियन टन में

वर्ष	कोकिंग कोल	गैर-कोकिंग कोल	कुल कोयला
	मात्रा	मात्रा	मात्रा
2019-20	51.83	196.70	248.54
2020-21	51.20	164.05	215.25
2021-22	57.12	151.50	208.63
2022-23	56.05	181.62	237.67
2023-24	58.81	205.72	264.53

(ग) : मौजूदा आयात नीति के अनुसार कोयले को ओपन जनरल लाइसेंस (ओजीएल) के अंतर्गत रखा जाता है और उपभोक्ता लागू शुल्कों के भुगतान पर अपने संविदागत करार के अनुसार अपनी पसंद के स्रोत से कोयले का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं। देश में कोयले की अधिकांश आवश्यकता स्वदेशी उत्पादन के माध्यम से पूरी की जाती है। तथापि, कोयले के शीर्ष दस आयातकों का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है।

क्र.सं.	आयातकों की सूची
1	जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड
2	स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड
3	टाटा स्टील लिमिटेड
4	अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड
5	जिंदल स्टील & पावर लिमिटेड
6	आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड
7	राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड
8	भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड
9	नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन
10	अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड

(घ) : भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा प्रकाशित कोयला इंवेंटरी के अनुसार अन्वेषण कार्यकलापों के माध्यम से कोयला संसाधनों में वर्ष-दर-वर्ष निरंतर वृद्धि हुई है। दिनांक 01/04/2024 की स्थिति के अनुसार, 0.90 मी. और उससे अधिक मोटाई और सतह से 1200 मी. गहराई तक की कोयला सीमों के लिए दिनांक 01.04.2024 को देश में कोयला संसाधन 389,421.34 मि.ट. रहा है। इसमें से मापित संसाधन 212,207.16 मि.ट., संकेतित संसाधन 148,716.53 मि.ट. और अनुमानित संसाधन 28,497.65 मिलियन टन है।

इसके अलावा, 2023-24 के दौरान भारत के कोयला क्षेत्रों से निकाला गया कुल कोयला 997.83 मि.ट. (66.82 मि.ट. कोकिंग कोल और 931.01 मि.ट. गैर-कोकिंग कोल) है और 1950 से 2022-23 तक संचयी कोयला उत्पादन 19967.15 मि.ट. है।

राजकोषीय वर्ष 2023-24 में, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा 773.65 मिलियन टन का रिकॉर्ड तोड़ कोयला उत्पादन हुआ, जो पिछली तदनुरूपी अवधि की तुलना में 10% की वृद्धि को दर्शाता है, जो स्थापना के बाद से सबसे अधिक है। अप्रैल'24-नवंबर'24 के दौरान, सीआईएल ने 470.99 मिलियन टन कोयला उत्पादन प्राप्त किया तथा पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.4% की वृद्धि प्राप्त की।

सीआईएल के वित्त वर्ष 2023-24 के वित्तीय विवरण (समेकित) के अनुसार प्रति टन लागत 1336.90 रू. प्रति टन है।

****